कुछ भी गलत निकला तो छोड़ दूंगा बिजनेस: कोठारी

ऋद्धिसिद्धि बुलियन पर बोगस इंपोर्ट और एक्सपोर्ट का आरोप, I-T डिपार्टमेंट की छापेमारी पर पृथ्वीराज कोठारी ने दी सफाई

[पलक शाह | बैजू कलेश | एम पद्माक्षण मुंबई]

पृथ्वीराज शेरमल कोठारी की कंपनी ऋद्धिसिद्धि बुलियन (आरएसबीएल) के हेडक्वार्टर बुलियन हाउस के आसपास का माहौल ज्यादातर लोगों को अट्रैक्ट नहीं करेगा। साथ ही, 20 हजार वर्ग फुट में मौजूद बुलियन हाउस तक पहुंचने के लिए आपको टूव्हीलर्स, ठेले और भारी भीड़ से भी दो-चार होना पड़ सकता है। हालांकि, यह देश के बुलियन किंग पृथ्वीराज कोठारी का कारोबारी अड्डा है।

भारत में कमोडिटी ट्रेडिंग के अगुवा जिग्नेश शाह भी कोठारी से बुलियन ट्रेडिंग टिप्स लेने के लिए यहां पहुंचते रहते हैं। यहां आने वाले इस तरह के लोगों की लिस्ट बहुत लंबी है। बेंचमार्क एसेट मैनेजमेंट कंपनी के पूर्व हेड राजन मेहता कहते हैं, 'कोठारी बुलियन ट्रेडिंग को सूट-बूट वाले ज्यादातर प्रोफेशनल से बेहतर समझते हैं।' हालांकि, यहां सिर्फ कोठारी से लोग सलाह लेने ही नहीं आते। पिछले हफ्ते इनकम टैक्स के तकरीबन 100 अधिकारियों ने आरएसबीएल के दफ्तरों पर छापे मारे। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों के मुताबिक, कंपनी बोगस इंपोर्ट और एक्सपोर्ट में शामिल है।

कोठारी ने इन आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से इसके सबूत मांगे हैं। वह कहते हैं, 'अगर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को आरएसबीएल के एकाउंट्स में एक भी बोगस एंट्री मिलती है, तो मैं पूरा बिजनेस बंद कर दूंगा।' पिछले महीने उनके बारे में कई तरह की अफवाहें चलती रहीं- हवाला कनेक्शन, अंडरवर्ल्ड लिंक और यहां तक कि उन पर आईपीएल बेटिंग से जुड़े होने के भी आरोप लगे। बहरहाल, कोठारी की निजी दुनिया चमक दमक से बिल्कुल अलग है। दो साल पहले तक वह 625 वर्ग फुट के दो बेडरूम अपार्टमेंट में रहते थे। उनकी पत्नी अब भी उनके लिए खाना बनाती हैं। वह टोयोटा इटियोस चलाकर खुश हैं, जिसकी कीमत 8 लाख रुपए है। इसके बावजूद वह 25,000 करोड़ रुपए सालाना टर्नओवर की कंपनी चलाते हैं।

आरोपों में घिरे बुलियन किंग

पिछले महीने कोठारी पर हवाला कनेक्शन, अंडरवर्ल्ड लिंक और आईपीएल बेटिंग से जुड़े होने के भी आरोप लगे

इंडस्ट्री के बड़े लोगों की मानें, तो उन्हें बुलियन मार्केट की शक्ल तैयार करने का श्रेय जाता है। साथ ही, वे उनसे अक्सर सलाह लेने से भी नहीं चूकते। वह देश के दो कमोडिटी फ्यूचर्स एक्सचेंज एमसीएक्स और एनसीडीईएक्स की कमेटी में भी रह चुके हैं। कमोडिटी एक्सचेंज के एक सीनियर प्रोफेशनल ने बताया, 'देश की बुलियन ट्रेडिंग में जो भी होता है, उसमें कोठारी के आइडिया की झलक जरूर होती है।' कोठारी ने 80 के दशक के शुरू में पिता की 180 वर्ग फुट की दुकान से बिजनेस शुरू किया था। इसमें कस्टम नोटिफाइड गुड्स की बिक्री होती थी। आज वह ट्रक में भरकर गोल्ड और सिल्वर बार खरीदते हैं और ऑनलाइन स्पॉट बुलियन प्लेटफॉर्म के जरिए 2,200 से भी ज्यादा ज्वैलर्स को बेचते हैं।